HINDI

Healthier Scotland
Scottish Government

अंग दान और धार्मिक विश्वास

अंग और ऊतक(टिशू) दान और हिंदू मान्यताओं के लिए एक मार्गदर्शक

हिंदू आस्था और अंग दान

अंग और ऊतक दान का परिचय

अंग और ऊतक दान किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करने के लिए एक अंग और/या ऊतक उपहारस्वरूप देना है जिसे एक प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) की आवश्यकता है। अंग और ऊतक प्रत्यारोपणों द्वारा प्रत्येक वर्ष स्कॉटलैंड में सैकड़ों लोगों की जानें बचाई या बेहतर की जाती हैं। पर, औसतन, यूके में प्रत्येक दिन अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा करते हुए किसी व्यक्ति की मौत होती है।

म्रत्यु के बाद लोगों द्वारा दान किए जाए वाले अंगो में दिल, फेफड़े, गुर्दे, यकृत (लिवर), अग्न्याशय (पैनक्रिआस) और छोटी आंत शामिल हैं। ऊतक जैसे दिल के वाल्व, टेंडन, कॉर्निया और त्वचा को भी दूसरों की मदद के लिए दान किया जा सकता है। गुर्दा, हड्डी या कभी-कभार यकृत के अंश का जीवित दान भी संभव है।

मृत्यु के बाद अंग और ऊतक दान कब हो सकता है?

डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारी मरीज के जीवन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अंग या ऊतक दान के बारे में केवल तब सोचा जाता है जब एक बार उनके जीवन को बचाने के सभी प्रयास विफल हो गए हों।

अधिकतर मृतक दाता अंग किसी व्यक्ति की मृत्यु की, न्यूरोलॉजिकल मानदंडों का उपयोग करके की गई पुष्टि के बाद दान किये जाते हैं, जिसे 'दिमागी मृत्यु'(ब्रैनस्टैम डैथ) के नाम से भी जाना जाता है। यह वह है जहां मस्तिष्क की गंभीर चोट वाला कोई व्यक्ति एक इंटैंसिव केयर यूनिट में वैंटिलेटर पर है। उनके मस्तिष्क की चोट ने मस्तिष्क के स्टेम में महत्वपूर्ण केंद्रों को नुकसान पहुंचाया होगा, जो जीवन के लिए आवश्यक हैं। यह अचैतन्य (कोमा) या निष्क्रिय अवस्था में होने के समान नहीं है। दो वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा, जो प्रत्यारोपण टीम से स्वतंत्र होते हैं, दो अलग-अलग अवसरों पर और कड़े मानदंडों का पालन करते हुए टैस्ट किये जाते हैं।

जब दिमागी मौत की पुष्टि होती है, रोगी अभी भी वैंटिलेटर (एक मशीन जो फेफड़ों में हवा को धकेलती है और शरीर के चारों ओर रक्त के संचार में सहायता करती है) पर होगा। वैंटिलेटर कृत्रिम रूप से अंगों तक ऑक्सीजन की पर्याप्तता बनाए रखता है।

वैकल्पिक रूप से, ऐसे मामले भी होते हैं जहां चिकित्सक मरीज के परिवार के साथ सहमत होते हैं कि रोगी के जीवित रहने की कोई वास्तविक संभावना नहीं है और रोगी को जीवित रखने वाले उपचार को बंद करने का निर्णय लिया गया है। ऐसे मामलों में, अंगों को 'संचार मृत्यु' के बाद दान किया जा सकता है, जो तब होती है जब एक व्यक्ति का दिल धड़कना बंद कर देता है और वे सांस लेना बंद कर देते हैं।

हिंदू आस्था और अंग दान

ऐसे कई संदर्भ हैं जो हिंदू धर्मग्रंथों में अंग दान की धारणा का समर्थन करते हैं। "दान" और "सेवा" हिंदू धर्म के दो प्रमुख सिद्धांत हैं। "दान" भिक्षा के लिए संस्कृत में मूल शब्द है, जिसका अर्थ निस्वार्थ देना है। दस नियमों (पुण्य कार्यों) की सूची में "दान" तीसरे नंबर पर आता है। "सेवा" से तात्पर्य मदद करने से है और, दान करने से, व्यक्ति निस्वार्थ भाव से सेवा करता है।

"दान देना सनातन धर्म का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसे प्रचलित रूप में हिंदूत्व के नाम से जाना जाता है। अंग और ऊतक दान सनातन धर्म में अद्वितीय महत्व रखते हैं, लेकिन यह निर्णय व्यक्ति को अपने जीवनकाल के दौरान लेना होता है।"

आचार्य जी, हिंदू मंदिर ग्लासगो के मुख्य पंडित

"उन सभी चीजों में से जिन्हें दान करना संभव है, अपने शरीर को दान करना असीम रूप से अधिक सार्थक है।"
मनुस्मृति

"दूसरों की खुशी में ही हमारी अपनी खुशी निहित है।"

परम पूज्य स्वामी महाराज, बीएपीएस
स्वामीनारायण संस्था

मृत्यु के बाद जीवन हिंदुओं का एक मजबूत विश्वास है। कर्म का नियम (आपका कर्म आपके भविष्य को प्रभावित करता है) पुनर्जन्म के बाद आपकी आत्मा का भाग्य तय करता है। आत्मा या तो पुनर्जन्म (मोक्ष) के चक्र से स्थायी मुक्ति प्राप्त करती है या एक अलग शरीर में पुनर्जन्म लेती है। भगवद् गीता नश्वर शरीर और अमर आत्मा का वर्णन एक सरल तरीके से एक शरीर के साथ कपड़े के रिश्ते की तरह करती है:

"जैसे एक व्यक्ति पुराने कपड़ों को त्याग कर नए पहनता है, आत्मा भी उसी तरह पुराने और बेकार को त्याग कर नए भौतिक शरीरों को स्वीकार करती है।"

भगवद गीता, खंड 2:22

"सभी भौतिक दानों की तुलना में अंग दान का महत्व अधिक है।

मेरा मानना है कि हिंदू समुदाय में अंग दान के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। दधीचि मुनि पर धार्मिक पाठ हमें मानव जीवन को बचाने के लिए अपनी हड्डियों को दान करने के बारे में बताता है, दूसरे लोगों के जीवन को बचाना ईश्वर की सबसे अच्छी सेवा है। पवित्र रामायण में पराक्रमी राजा रावण द्वारा भगवान शिव को अपने अंगों को अर्पित करने का उल्लेख है।"

श्री अमृत पॉल कौशल
(बीए एमएससी. डिप ईडी एमबीई),
हिंदू मंदिर के पूर्व जनरल सचिव

पारिवारिक सहभागिता

पारिवार अंग और ऊतक दान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आप ऐसी परिस्थितियों में मरते हैं जहाँ आप एक अंग दाता बन सकते हैं, एक विशेषज्ञ नर्स यह देखने के लिए NHS ऑर्गन डोनर रजिस्टर की जांच करेगी कि क्या आपने कोई निर्णय दर्ज किया है (या तो दान करने का या दान करना न चुनने का)। वे आपके परिवार से भी यह पूछने के लिए बात करेंगे कि क्या आपने एक दाता होने के बारे या इसके विरूद्ध कभी कोई विचार व्यक्त किये थे और क्या आपका धर्म दान पर कोई प्रतिबंध लगाएगा।

इसलिए, जो भी आपका निर्णय है, यह महत्वपूर्ण है कि आपका परिवार जानता है कि आप क्या चाहते हैं। इससे उन्हें यह निश्चित करने में आसानी होगी कि आपके दान देने के निर्णय का सम्मान किया जा रहा है। यह ये भी सुनिश्चित करेगा कि, उदाहरण के लिए, NHS कर्मचारी सुनिश्चित कर सकते हैं कि कोई भी विशेष शर्तें जो आप अपने दान के साथ जोडना चाहते हैं उनका भी ध्यान रखा जाए।

देखभाल और सम्मान

अंगों और ऊतकों को निकालने का काम अत्यंत देखभाल और सम्मान के साथ किया जाता है। परिवार बाद में शव देख सकता है और यदि परिवार चाहे, तो कर्मचारी किसी पंडित या स्थानीय धार्मिक नेता से संपर्क कर सकते हैं। अंग दान ऑपरेशन आम तौर पर कुछ घंटों के भीतर पूरा हो जाता है और इसलिए शव को उसके तुरंत बाद दाह संस्कार के लिए परिवार को लौटाया जा सकता है।

अपना विकल्प चुनना

आप **organdonationscotland.org** पर ऑनलाइन या **0300 123 23 23** पर फ़ोन कर के अंग और ऊतक दान के बारे अधिक जानकारी प्राप्त सकते हैं और अपना निर्णय दर्ज कर सकते हैं, चाहे वह कुछ भी हो।

मैं एक दाता कैसे बन सकता/ती हूँ?

यदि आप अपनी मृत्यु के बाद अपने कुछ या सभी अंग और/या ऊतक दान करना चाहते हैं, आपके परिवार को पता हो आप क्या चाहते हैं और वे आपके निर्णय का सम्मान करें, यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप NHS के ऑर्गन डोनर रजिस्टर पर एक दाता के रूप में अपना नाम दर्ज करें और अपने परिवार को बताएं कि आपने क्या निर्णय लिया है। आप रजिस्टर पर यह भी दर्ज कर सकते हैं कि आपका धर्म/विश्वास महत्वपूर्ण है और इसे दान के बारे में चर्चा का हिस्सा माना जाना चाहिए या नहीं।

अगर मैं दान नहीं करना चाहता तो क्या होगा?

अगर आप दान नहीं करना चाहते, इस निर्णय को NHS के ऑर्गन डोनर रजिस्टर पर दर्ज करना और अपने परिवार को बताना महत्वपूर्ण है। यदि आप कुछ अंगों या ऊतकों को दान करने के लिए खुश हैं, लेकिन अन्य का नहीं, तो दान के विकल्प से 'बाहर न निकलें'। इसके बजाय, दाता के रूप में दर्ज हों और केवल उन अंगों या ऊतकों का चयन करें जिन्हें दान करने के लिए आप तैयार हैं।

अंग और ऊतक दान, अपने चयन, और अपने दान के निर्णय को कैसे दर्ज करना है के बारे अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए:

organdonationscotland.org पर जाएं या
0300 123 23 23 पर फ़ोन करे

आभार
स्कॉटिश सरकार डॉ राधा सुंदरम, डॉ रजनी त्यागी, डॉ अरविंद सिंह, श्री कोटीस्वरण, डॉ रजनी तेजवानी, डॉ सांतनु अचार्या, श्रीमती ब्रिज गांधी एमबीई, किडनी रिसर्च यूके और उन सभी को धन्यवाद देना चाहती है जिन्होंने इस सूचना पत्र को तैयार करने में उनकी सहायता के लिए उद्धरण प्रदान किये।

उद्दिनांकित दिसंबर 2020

OLC229.1P 20210065